www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 97 | जौनपुर, मंगलवार, 24 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सपा ने कांग्रेस को दिया 26 सीटों का प्रस्ताव, सीट बंटवारे पर दूसरे दिन भी मंथन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को 26 सीटों की पेशकश किए जाने के बीच मंगलवार को दोनों दलों ने सीट बंटवारे पर लगातार दूसरे दिन बातचीत की। सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने बैठक से पहले बताया कि उनकी पार्टी ने कांग्रेस को 26 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है और इस पर आगे बातचीत की जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमने दो ऐसी सीटें देने का प्रस्ताव दिया है, जिन पर कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। इसके अलावा चार ऐसी सीटें हैं, जहां कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी और 20 अन्य सीटें ऐसी हैं, जहां सपा को 60 से 70 हजार वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को लगभग दो हजार वोट ही मिले थे।'' उत्तर प्रदेश में विधानसभा की कुल 403 सीटें हैं। इससे पहले सोमवार को हुई बैठक में कांग्रेस ने सपा नेताओं को 130 सीटों की सूची सौंपी थी, जिन पर वह अपने उम्मीदवार उतारना चाहती है। कांग्रेस ने इन सीटों को अपनी प्राथमिकता बताया था। सपा नेताओं ने सूची पर विचार करने के बाद आगे बातचीत करने की बात कही थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी के आवास पर मंगलवार को हुई बैठक में उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और कांग्रेस विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी शामिल हुए।

राधे-राधे अभिवादन पर लखनऊ में भाजपा और सपा के बीच पोस्टर वॉर तेज

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 'राधे-राधे' के अभिवादन को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच शुरू हुई जुबानी जंग अब होर्डिंग तक पहुंच गई है। भाजपा के एक प्रवक्ता ने यहां पार्टी कार्यालय के पास 'राधे-राधे कमल खिला दे' लिखी होर्डिंग लगाकर इस राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता दिलीप श्रीवास्तव की ओर से लगाई गई इस होर्डिंग में भगवान कृष्ण और राधा रानी के चित्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा संगठन महामंत्री धर्मपाल के भी चित्र हैं। श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''राधे-राधे और जय श्रीराम हमारी सनातन संस्कृति और पारंपरिक सामाजिक अभिवादन का अभिन्न हिस्सा हैं। अगर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जय श्रीराम और राधे-राधे जैसे अभिवादनों पर आपत्ति है तो यह उनकी राजनीतिक सोच पर सवाल खड़े करता है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव भारतीय संस्कृति से जुड़े त्योहारों के दौरान भारतीय परंपराओं के बजाय क्रिसमस पर अधिक ध्यान देते हैं।

पंजाब और पंजाबियों का हित सर्वोपरि - पीएम मोदी



पंजाब, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापसी का स्वागत किया। उन्होंने एक स्वाभाविक साझेदारी बताया, जो पंजाब और वहां के लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देगी। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने अकाली दल के छक। में फिर से शामिल होने पर खुशी जताई, खासकर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सबसे ऊपर रखना! मुझे बहुत खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में वापस आ गया है, और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर। उन्होंने की साझेदारी को एक स्वाभाविक गठबंधन बताया और कहा कि यह जन-हितैषी शासन सुनिश्चित करने और पंजाब को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा, ष्हमारा गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब को जन-हितैषी शासन मिले, जिससे राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। इस गठबंधन के इतिहास को याद करते हुए, मोदी ने कहा कि इसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने संवारा था। उन्होंने कहा, अटल जी, आडवाणी जी और सरदार प्रकाश सिंह बादल जी द्वारा संवारा गया अकाली दल-भाजपा गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। इस नई साझेदारी पर भरोसा जताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गठबंधन पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनकर उभरेगा। उन्होंने आगे कहा, ष्मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा गठबंधन पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने मंगलवार को राजधानी में मुलाकात की। इस बैठक में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मजबूत करने पर औपचारिक सहमति बनी।

बड़ा भाई तो अकाली ही रहेगा, अमित शाह का पंजाब सीएम फेस पर बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (24 नवंबर) को कहा कि भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे, जिसमें अकाली दल गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका निभाएगा। नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और अन्य नेताओं के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, शिअद बड़े भाई की भूमिका निभाएगा। अकाली दल और भाजपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे। दोनों पार्टियां मिलकर सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जिसमें अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में होगा। जब उनसे पूछा गया कि पंजाब में छक। गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, तो शाह ने संकेत दिया कि



पंजाब के मुख्यमंत्री से होंगे। उन्होंने कहा कि जो पार्टी बड़े भाई की भूमिका निभाएगी, उसे ही यह शीर्ष पद मिलेगा। उन्होंने कहा, ष्बड़ा भाई ही मुख्यमंत्री बनता है। जो भी बड़ा भाई होगा, वही मुख्यमंत्री बनेगा। बीजेपी और एसएडी ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले अपने गठबंधन को फिर से बहाल करने की घोषणा की है। इससे छह साल के अंतराल के बाद दोनों पार्टियां फिर से एक साथ आ गई हैं। शाह ने नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और एसएडी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में यह घोषणा की। उन्होंने कहा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में उनके कक्ष में एक बैठक हुई।

द्रौपदी मुर्मू के ओडिशा दौरे को लेकर कटक और भुवनेश्वर में 70 प्लाटून पुलिस बल तैनात

ओडिशा, (एजेंसी)।, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मंगलवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय ओडिशा दौरे के मद्देनजर भुवनेश्वर और कटक में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी



दी। उन्होंने बताया कि मुर्मू मंगलवार को कटक में बाली जात्रा महोत्सव 2026 का उद्घाटन करेंगी और बुधवार को भुवनेश्वर में होम्योपैथी पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में शामिल होंगी। पुलिस महानिदेशक विनयतोष मिश्रा ने कटक में बाली जात्रा मैदान में सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की, जबकि पुलिस ने भुवनेश्वर में हवाई अड्डे से लोक भवन तक राष्ट्रपति के काफिले का पूर्वाभ्यास किया। मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रपति बाली जात्रा मैदान में पांच स्थानों का दौरा करेंगी और सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप की गई हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ की आवाजाही नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल की कुल 70 प्लाटून तैनात की जाएंगी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मैदान में 38 निगरानी टावर बनाए गए हैं और 1,400 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सरवाना विवेक एम ने कहा, "हमने यातायात की सुचारु आवाजाही के लिए सभी इंतजाम किए हैं। जहां भी आवश्यक होगा, वहां थोड़े समय के लिए यातायात प्रतिबंध लगाए जाएंगे।"

सिख गुरुओं के बलिदान से सुरक्षित है भारत की पहचान – सीएम योगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से ही भारत की पहचान सुरक्षित है तथा देश और धर्म की रक्षा के लिए उनका बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ऐशबाग रोड स्थित डीएवी पीजी कॉलेज मैदान में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिख समुदाय को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा ने आस्था और संस्कृति की रक्षा के साथ ही अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया। आदित्यनाथ ने कहा कि



गुरु नानक देव जी ने देशभर में यात्राएं कर एक ओंकार का संदेश दिया। उनका मानना था कि ईश्वर एक है और सभी मनुष्य उसकी संतान हैं, इसलिए हर व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है। उन्होंने गुरु नानक देव जी के तीन प्रमुख सिद्धांतों नाम जपो, कीरत करो और वंड छको का उल्लेख करते हुए कहा ''ईश्वर का स्मरण, ईमानदारी से परिश्रम और अपनी कमाई में दूसरों को भागीदार बनाना जीवन को सार्थक बनाता है। गुरुद्वारों की लंगर व्यवस्था समानता और सेवा की भावना का जीवंत उदाहरण है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ निर्भीक होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। ''गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों का बलिदान भी युवा पीढ़ी को धर्म, राष्ट्र और मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित रहने की सीख देता है।'' उन्होंने बताया कि लखनऊ के गुरुद्वारों के सहयोग से मुख्यमंत्री आवास में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। साथ ही उन्होंने कामना की कि लखनऊ के श्रद्धालुओं को ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिले। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकतीर्थ, गढ़मुक्तेश्वर और तिगरी समेत प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं तथा काशी में इसी दिन देव दीपावली भी मनाई जाती है।

मई 2027 में दौड़ेगी भारत की पहली बुलेट ट्रेन, सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर होगा ट्रायल

मुंबई, (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना एक महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच गई है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर मई 2027 से ट्रायल रन शुरू होने की उम्मीद है। करीब 50 किलोमीटर लंबा यह सेक्शन देश के पहले हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला हिस्सा होगा, जहां बुलेट ट्रेन का परीक्षण किया जाएगा। इसे भारत में हाई-स्पीड रेल सेवा शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रेल मंत्री के अनुसार, सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर सिग्नलिंग का कार्य अगले वर्ष



जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि विद्युतीकरण का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। 20 नवंबर को इस सेक्शन की अप और डाउन दोनों एलिवेटेड लाइनों पर ओवरहेड उपकरणों को सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। वैष्णव ने बताया कि पूरे कॉरिडोर में 2+25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है और बिलिमोरा ट्रैक्शन सब-स्टेशन पर स्थापना कार्य भी पूरा हो चुका है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। अहमदाबाद-वापी सेक्शन को 2027 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि बुलेट ट्रेन सेवाओं को 2029 तक ठाणे तक विस्तार देने की योजना है। शुरुआती ट्रायल बी-28 ट्रेनसेट के साथ किए जाएंगे, जिसे 280 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से चलने के लिए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि 240 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति वाली रेल सेवाएं हाई-स्पीड रेल श्रेणी में आती हैं और इनके संचालन के लिए विशेष इंजीनियरिंग तथा निर्माण मानकों की आवश्यकता होती है। रेल मंत्री ने बताया कि इतनी अधिक गति से चलने वाली ट्रेनों के कारण उत्पन्न वायुदाब सबसे बड़ी तकनीकी चुनौतियों में से एक है। इसलिए ट्रेन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को अत्यधिक दबाव सहने के लिए तैयार किया जाता है।

केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों को आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रखा – मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव पर कृष्णा नदी के जल आवंटन और उपयोग में तेलंगाना के अधिकारों को आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रखने और पड़ोसी राज्य द्वारा अवैध रूप से परियोजनाओं के निर्माण की अनुमति देने का आरोप लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं पर हमला किया और उन पर बीआरएस शासनकाल के दौरान तेलंगाना के जल अधिकारों से समझौता करने का आरोप लगाया।उन्होंने आरोप लगाया कि के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और हरीश राव द्वारा लिए गए निर्णयों से तेलंगाना के साथ अन्याय हुआ। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के गठन के बाद केसीआर सरकार कृष्णा नदी के जल आवंटन के संबंध में राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रही। बताया गया कि 26 जून, 2015



को तत्कालीन केंद्रीय जल संसाधन मंत्री उमा भारती की उपस्थिति में हुई एक बैठक में केसीआर और हरीश राव ने आंध्र प्रदेश के लिए 512 टीएमसी और तेलंगाना के लिए 298.96 टीएमसी जल आवंटन पर सहमति जताई थी।मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेतृत्व से राज्य के हितों की पुरजोर वकालत न करने पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने भी 29 जनवरी, 2020 को इसी आवंटन व्यवस्था को जारी रखने पर सहमति जताई थी। 24 फरवरी, 2022 को सरकारी आदेश संख्या 482 जारी किया गया।

बंगाल के विपक्ष ने ममता बनर्जी की तृणमूल पार्टी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक तृणमूल कांग्रेस (डीटीसी) ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली ममता अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एमएआईटीसी) के खिलाफ पुलिस में शिकायत



दर्ज कराई। डीटीसी ने विपक्षी दल पर अपने समर्थकों को धमकाकर एमएआईटीसी के पक्ष में हलफनामे पर हस्ताक्षर करवाने का आरोप लगाया है।ये हलफनामे भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को सौंपे जाने हैं, क्योंकि दोनों गुट पार्टी के मूल नाम, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, और श्फूल और घासश चुनाव चिन्ह पर अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं।कालीघाट पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने विशेष रूप से एमएआईटीसी के कोषाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाषिश चक्रवर्ती और उनके सहयोगियों का नाम लेकर डीटीसी समर्थकों को धमकाने का आरोप लगाया है।सोमवार की इस कार्रवाई को जवाबी शिकायत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि चक्रवर्ती ने रविवार को कालीघाट पुलिस स्टेशन में एमएआईटीसी की ओर से इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने ऋतब्रता बनर्जी गुट के खिलाफ समान आरोप लगाए थे। अपनी शिकायत में डीटीसी ने आरोप लगाया कि चक्रवर्ती और उनके समर्थक उन डीटीसी समर्थकों पर दबाव डाल रहे थे जिन्होंने पहले ही ऋतब्रता बनर्जी के समर्थन में हलफनामे जमा कर दिए थे।ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने पुलिस से चक्रवर्ती और उनके सहयोगियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 351 (आपराधिक धमकी), धारा 232 (किसी व्यक्ति को झूठी गवाही देने के लिए धमकाना) और धारा 3(5) (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने को मंजूरी, 9 दिसंबर को विधानसभा में पेश होगा प्रस्ताव

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने आज मंगलवार को राज्य का नाम 'पश्चिम बंगाल' से बदलकर 'पश्चिम बंग' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मीडिया को बताया, "इस संबंध में एक प्रस्ताव को आज एक बैठक में मंजूरी दी गई है। इसी प्रस्ताव को 9 दिसंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में पेश किया जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि राज्य विधानसभा से मंजूरी मिलने के बाद, इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 से 14 दिसंबर तक चलेगा। संबंधित अधिकारियों के अनुसार, प्रशासनिक कारणों से राज्य का नाम बदलने का विचार काफी समय से चल रहा है। इसके पीछे कुछ



महत्वपूर्ण कारण हैं। केंद्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों की बैठकों में, राज्यों के प्रतिनिधियों को अंग्रेजी वर्णमाला (अल्फाबेटिकल ऑर्डर) के क्रम में बोलने का मौका दिया जाता है। इस वजह से, ऐसी सभी बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों को हमेशा सबसे अंत में बोलने का अवसर मिलता था। पिछले महीने, पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने दावा किया था कि राज्य सरकार जल्द ही एक विधेयक पेश करेगी, जिसके तहत 'पश्चिम बंगाल' का नाम बदलकर सभी भाषाओं में 'पश्चिम बंग' कर दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिश सबसे पहले 1999 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय ज्योति बसु के नेतृत्व वाली वाम मोर्चे (लेफ्ट फ्रंट) की सरकार ने शुरू की थी। उस समय राज्य का नाम बदलकर 'बंगला' करने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि, राजनीतिक सहमति न बन पाने के कारण उस समय यह प्रयास सफल नहीं हो सका। 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद, राज्य का नाम बदलने का मुद्दा फिर से सामने आया। तृणमूल कांग्रेस ने प्रस्ताव दिया था कि राज्य का नाम बंगाली में 'बंगला', हिंदी और अंग्रेजी में 'बंगाल' रखा जाए। इसके बाद, 2018 में पश्चिम बंगाल विधानसभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें सभी भाषाओं के लिए 'बंगला' नाम को स्वीकार किया गया था।

संपादकीय

भारत को क्या आपत्ति

फ्रेंच कंपनियों ने कहा है कि वे भारत में राफेल विमान के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन और इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान ने साफ किया है कि वे भारत में विमान और उसके इंजन के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और इंजन के संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। फ्रांस में इस संबंध में उठे सवालों पर इन कंपनियों ने यह स्पष्टीकरण दिया। इस क्रम में यह मुद्दा फिर उठा है कि फ्रांस किस हद तक भारत को तकनीक ट्रांसफर के लिए राजी हुआ है? पहले दोनों देशों की सरकारों की तरफ से कहा गया था कि दसॉ भारत को टेक्नोलॉजी भी देगी। लेकिन अब इसका मतलब बताया गया है यह प्रक्रिया सिर्फ विमान के पुर्जे बनाने, ढांचा तैयार करने, इंजन असेंबल करने और रखरखाव तक सीमित होगी। ये कंपनियां अपनी गोपनीय और संवेदनशील तकनीकों–मसलन, सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड, रडार का एल्गोरिदम, और इंजन के सबसे अहम अंदरूनी हिस्सों से जुड़ी तकनीक भारत को नहीं देंगी। यानी कंपनियों ने एक श्लक्ष्मण रेखाश्च तय कर दी है। अब यह भारत सरकार पर है कि इस बारे में अपना रुख बताए। उसे देशवासियों को बताना चाहिए 114 विमानों की खरीद का करार होते वक्त क्या सहमति बनी थी? वैसे संभव है कि फ्रेंच कंपनियों की तरफ दी गई सफाई भारत सरकार के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं हो। इसलिए कि पिछले हफ्ते ही विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में विदेशी निवेशकों को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि हम आपसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की मांग नहीं करते, और ना ही तकनीक चुराते हैं। इसके पहले वे नीदरलैंड्स में संदेश दे चुके थे कि भारत में कर्मचारियों के काम के घंटे या दिन तय नहीं होते! यानी विदेशी निवेशकों को उनकी शर्तों पर लुभाना फिलहाल भारत सरकार की प्राथमिकता है। निवेश के डॉलर से व्यापार घाटे की भरपाई और कुछ नौकरियां पैदा होने के लक्ष्य से वह संतुष्ट है। लेकिन दीर्घकालिक एवं आत्म–निर्भर विकास के नजरिए से यह भारतवासियों की प्राथमिकता नहीं हो सकती। इसलिए फ्रेंच कंपनियों का स्पष्टीकरण उनकी नजर में बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

वोट चोरों की गद्दी हिलने लगी

एसआइआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन एक नया रूप ले रहा है। अक्टूबर में यह आंदोलन मुख्यतरू देश की राजधानी में और उसमें भी विशेष रूप से जंतर–मंतर पर केंद्रित था और 1 नवंबर की रामलीला मैदान की विशाल रैली में अपने उत्कर्ष पर पहुंचा। उसके बाद से लगातार इस आंदोलन का देश भर में फैलाव हो रहा है और इस क्रम में जनता के बढ़ते दायरे तक इस आंदोलन की मांगों के साथ–साथ, यह राजनीतिक संदेश पहुंच रहा है कि मोदीशाही की करतूतों से जनतंत्र के अस्तित्व के लिए ही खतरा पैदा हो गया है। प्रकटतरू न भी सही, फिर भी किसी न किसी प्रकार इस बढ़ती जन–भावना के प्रभाव में, एक अन्य स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय में भी इस आंदोलन के दौरान उठे मुद्दों से जुड़ी चुनौतियां दिलचस्प तरीके से आगे बढ़ रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त की परेशानियों में बढ़ोतरी करते हुए, ताजातरीन घटनाक्रम में इंडिया गठबंधन से जुड़ी तेरह विपक्षी पार्टियों की संयुक्त याचिका के अगले कदम के रूप में, चुनाव आयोग के नाम पर सुप्रीम

कोर्ट में प्रस्तुत हलफनामे पर, अदालत से तथ्यों को स्पष्ट करने के लिए आयोग से प्रश्न करने का अवसर मांगा गया है और इसके लिए 48 प्रश्न रखे गए हैं। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने, इन प्रश्नों पर कोई भी निर्णय 9 दिसंबर तक के लिए खिसका दिया है, लेकिन आयोग को इस दौरान विपक्ष की उक्त प्रार्थना पर अपना पक्ष रखने के लिए भी कह दिया है। जाहिर है कि चुनाव आयोग के वकील ने इन प्रश्नों के पूछे जाने पर कड़ी आपत्ति जतायी थी। ऐसा लगता नहीं है कि ज्ञानेश कुमार को सुप्रीम कोर्ट से आसानी से कोई राहत मिलेगी। बहरहाल, इस बढ़ते तूफान के सामने एक ओर ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग, बढ़ती आलोचनाओं के सामने चुप्पी साधे–साधे, पर्दे के पीछे से अपने विवादास्पद निर्णयों से पीछा छुड़ाने की कोशिशें कर रहा है। इसके लिए उसने नये मतदाताओं द्वारा भरे जाने वाले फार्म–6 में जोड़ी गयी अवैध घोषणा से पीछा छुड़ाने से लेकर, ईसीआइनैट के जरिए मतदाता सूचियों का नियंत्रण पूरी तरह से सीमा खन्ना के हाथों में सोंपने की स्थिति को पलटने तक के कदम उठाए हैं। यहां तक कि चुनाव आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान छूट गए पहले के मतदाताओं को सूची में लाने के दोबारा प्रयास करने के निर्देश भी जारी किए हैं, जो इस अर्थ में एसआइआर की पूरी प्रक्रिया के ही औचित्य पर सवाल खड़ा कर देता है कि यह लगभग प्रत्यक्ष रूप से यह स्वीकार करना है कि किसी न किसी तरह से, इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम कटे हैं। एसआइआर की प्रक्रिया के नाम पर, 2024 की मतदाता सूचियों में से अब तक 13 करोड़ 30 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संख्या इतनी बड़ी है कि ज्ञानेश कुमार का चुनाव आयोग भी, इसके श्रसामान्यश्च होने की मुद्रा नहीं अपना सकता है। फिर भी, चुनाव आयोग जहां अदालती चुनौतियों के सामने, सब कुछ नियमानुसार होने के दिखावे के पीछे छुपने की कोशिश कर रहा है, वहीं एसआइआर को जारी रखकर और विधानसभाई चुनावों के अगले चरण के लिए अपनी तैयारियों की घोषणा कर, सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा होने का दिखावा करना भी जारी रखे हुए है।

उधर संघ परिवार तथा उनकी मोदीशाही, जो चुनाव आयोग को अपना वफादार बनाने की मुख्य लाभार्थी हैं, श्रवोट चोरीश्च के आरोपों से बचाव की कोशिश में, ध्यान बंटाने के अपने जाने–पहचाने खेल में जुटे हुए हैं, जिसमें उन्हें खासी महारत हासिल भी है। इसी खेल के हिस्से के तौर पर, कांग्रेस और उसकी तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित, तीन दिनी इंडिया समिट में, विदेशी प्रतिनिधियों को बुलाकर, भारत के हालात पर चर्चा कर के, श्रभारत को बदनामश्च किए जाने का झूठा शोर मचाया जा रहा है। इस संदर्भ में इस आयोजन में शामिल हुए इटली से आए, यूरोपियन सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष के भारत में जनतंत्र के लिए खतरे के संदर्भ में श्रवोट चोर गद्दी छोड़श्च का नारा दोहराए जाने को खासतौर पर उछाला जा रहा है। यहां तक कि संघ परिवार के तौर–तरीकों के अनुरूप, किसी जाहिद अली नाम शख्श से, विदेशियों की ऐसी श्भारत–विरोधीश्च हरकतों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका तक दर्ज करा दी गयी है, जिसे शासन के प्रति अतिरिक्त रूप से नरम मुख्य न्यायाधीश ने, जल्द सुनवाई के लिए स्वीकार भी कर लिया है। ध्यान बंटाने की इस कोशिश के प्रति संघ परिवार की गंभीरता का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इसका शोर मचाने की शुरूआत, बाकायदा खुद अमित शाह ने की है, जिन्हें व्यापक रूप से मोदीशाही में नंबर–दो माना जाता है। संघ परिवार जिस तरह से देश के हालात पर हर प्रकार की वास्तविक चर्चा को देश की चारदीवारी में ही बंद रखने की एक सरासर बेतुकी और वास्तव में झूठी मांग को श्रदेशभक्तिश्च के पैमाने तौर पर और खासतौर पर विपक्ष पर थोपने की कोशिश करता रहा है, उसका यह पहला उदाहरण नहीं है। लेकिन, अव्वल तो श्रदेशभक्तिश्च का यह पैमाना खुद उसकी अपनी नजर में इतना अगंभीर है कि खुद प्रधानमंत्री

शेनझेन त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन ने की चीन की वैश्विक छवि मजबूत

नित्य

पुतिन के साथ ट्रम्प की द्विपक्षीय बैठक के एजंडे में यूक्रेन युद्ध और परमाणु समझौता शामिल थे, लेकिन सबसे ज़्यादा ध्यान यूक्रेन युद्ध पर रहा। पुतिन ने बर्लिन में यूरोपीय शक्तियों की बैठक को लेकर अपनी चिंता जताई और कहा कि इससे जेलेंस्की को ट्रम्प के किसी भी प्रस्ताव को ठुकराने का बढ़ावा मिल सकता है। आबू धाबी में रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बातचीत के नतीजों की समीक्षा की गई।गुरुवार, 19 नवंबर को शेनझेन में हुए 90 मिनट के त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्रपतियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन ने मौजूदा वैश्विक कूटनीति में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मजबूत स्थिति को साबित कर दिया, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प को वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए अपने चार–सूत्री एजंडे को श्शेनझेन घोषणा–पत्रश्र का हिस्सा बनाने के लिए राजी कर लिया। यह त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन केवल चीन द्वारा तैयार किया गया एक दिखावा नहीं थाय बल्कि, इसमें हुई स्पष्ट बातचीत ने दुनिया की इन तीन प्रमुख शक्तियों को एक–दूसरे के करीब ला दिया। इन तीनों देशों को मौजूदा अस्थिर हालात से मिलकर निपटने के लिए एक–दूसरे के सहयोग की जरूरत थी। यह घोषणा–पत्र संक्षिप्त था और इसमें केवल नेक इरादे जाहिर किए गए थे, लेकिन इसका सबसे सकारात्मक पहलू यह था कि इसमें पूर्ण परमाणु युद्ध को टालने के लिए बातचीत और चर्चा पर जोर दिया गया। ट्रम्प ने शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा कि– श्हम इतिहास रच रहे हैंश्च। उन्होंने कहा कि अमेरिका, चीन और रूस ऐसी स्थिति में हैं जहां वे अपने परमाणु जखीरे पर चर्चा कर सकते हैं और इनके इस्तेमाल के जोखिम को कम कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि बातचीत के मौकों को ठुकरा कर शांति हासिल नहीं की जा सकती। ट्रम्प की बातों में ईमानदारी झलक रही थी, और शी तथा पुतिन ने भी उसी तरह सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका और रूस के बीच मौजूदा परमाणु समझौता फरवरी 2027 में खत्म होने वाला है। इसके अलावा, व्यापार वार्ता के संदर्भ में, पिछले मई के शिखर सम्मेलन में चीन और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत चीन अमेरिका को महत्वपूर्ण खनिज निर्यात करता है, और अमेरिका चीन को एआई चिप्स निर्यात करता है। यह समझौता भी जनवरी 2027 में समाप्त हो रहा है। इसलिए, चीन और अमेरिका दोनों को इस बात पर गहन चर्चा करने की जरूरत थी कि श्एनवीडियाश्च विवाद के बावजूद अमेरिका–चीन व्यापार की गति को कैसे बनाए रखा जाए।जहां तक रूस की बात है, पुतिन यूक्रेन युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए ट्रम्प पर निर्भर हैं। वह चाहते हैं कि एक नए समझौते के तहत, वर्तमान में रूस के कब्जे वाले इलाके रूस के पास ही रह जाएं। ट्रम्प के मनाने के बावजूद, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की इन शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें यूरोपीय ताकतों का समर्थन मिल रहा है, जो उन्हें ट्रम्प की बात न मानने और यूरोपीय हथियारों एवं फंड की मदद से रूस के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए उकसा रही हैं।ट्रम्प के लिए परेशानी की बात यह रही कि 19 नवंबर को बर्लिन में यूरोप के 20 देशों के प्रमुखों और नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने बैठक की, ताकि यूक्रेन की मदद के लिए कोई योजना बनाई जा सके। उन्होंने 2027 तक के लिए एक फंडिंग कार्यक्रम पर काम किया। इस बैठक में राष्ट्रपति जेलेंस्की भी शामिल हुए। दूसरी ओर, शेनझेन में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने भी यूक्रेन को लेकर अपनाई गई नीति का मजाक उड़ाया और 2014 के श्यूरोमैदान तख्तापलटश्च में अमेरिका की भूमिका की आलोचना की। इसलिए, ट्रम्प ऐसी कोई ठोस योजना पुतिन को नहीं दे पाए, जो यूक्रेन के राष्ट्रपति को भी मंजूर हो। लेकिन पुतिन के पास कोई और विकल्प नहीं है। उन्हें अपनी इज्जत बचाते हुए युद्ध से बाहर निकलने के लिए ट्रम्प पर ही निर्भर रहना होगा। लगभग पांच साल के युद्ध में रूस की अर्थव्यवस्था और सेना को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि यूक्रेन पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है और वहां दस लाख से ज़्यादा लोग मारे जा चुके हैं। बेहतर यही होगा कि ट्रम्प की मदद से यूक्रेन युद्ध समाप्त हो जाए। त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन से ठीक पहले, शेनझेन में तीन द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन हुए, जिनमें सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। सबसे पहले, शी और पुतिन के बीच बैठक हुई, जिसमें ट्रम्प से निपटने के लिए एक साझा रणनीति बनाने पर बात हुई। इसके बाद ट्रम्प और शी के बीच बैठक हुई, जिसमें व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें मुख्य रूप से चीन को एआई चिप्स के निर्यात की मौजूदा व्यवस्था को जारी रखने पर ध्यान दिया गया। हालांकि चीन ने वैकल्पिक आपूर्ति के लिए दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत शुरू कर दी है, लेकिन इस समय चीनी हाई–टेक उद्योग के लिए अमेरिकी चिप्स बहुत जरूरी हैं। शी और ट्रम्प ने एक समझौता निकालने की कोशिश की। इस पर आगे की चर्चा मियामी में होने वाले अगले दौर की बातचीत में होगी, जब राष्ट्रपति शी 14 और 15 दिसंबर को जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। पुतिन के साथ ट्रम्प की द्विपक्षीय बैठक के एजंडे में यूक्रेन युद्ध और



परमाणु समझौता शामिल थे, लेकिन सबसे ज़्यादा ध्यान यूक्रेन युद्ध पर रहा। पुतिन ने बर्लिन में यूरोपीय शक्तियों की बैठक को लेकर अपनी चिंता जताई और कहा कि इससे जेलेंस्की को ट्रम्प के किसी भी प्रस्ताव को ठुकराने का बढ़ावा मिल सकता है। आबू धाबी में रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बातचीत के नतीजों की समीक्षा की गई। ट्रम्प, रूसी राष्ट्रपति की शर्तों पर युद्ध खत्म करने के लिए पुतिन को कोई गारंटी नहीं दे सके। चीनी मीडिया इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को श्नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाश्च वाली दुनिया बनाने की चीन की नीति की एक बड़ी सफलता के रूप में पेश कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के ठंडे रवैये के बावजूद, चीन ने ही इस शिखर सम्मेलन की पहल की थी। श्शेनझेन घोषणापत्रश्र का प्ररूप सबसे पहले चीन के सरकारी मीडिया ने जारी किया। व्हाइट हाउस ने काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। शिखर सम्मेलन खत्म होते ही ट्रम्प बिना प्रेस से कुछ कहे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए। यह सब चीन का एक बड़ा दिखावा था, जिसका मकसद यह साबित करना था कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ताकत के कमजोर होने के मौजूदा दौर में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैश्विक कूटनीति के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हैं।शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी ने चार बातें रखीं कि कैसे प्रमुख देश आपस में मिल–जुलकर रह सकते हैं और मिलकर विश्व शांति को मजबूत कर सकते हैं। शी ने कहा कि प्रमुख देशों को आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद सहयोग, और बातचीत व परामर्श को बढ़ावा देना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन, रूस और अमेरिका को साझेदार और दोस्त होना चाहिए, तथा उन्हें आपस में टकराव या संघर्ष की स्थिति से बचना चाहिए। इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में आपसी सहयोग के लिए एक सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

गिग वर्कर दे रहे हैं बदलती राजनीति के संकेत



उदारीकरण और निजीकरण का एक परिणाम भारत में ट्रेड यूनियनों का खत्म होना रहा है। आलोचकों का तर्क है कि भाजपा के दौर में श्रमिकों के अधिकारों का दायरा और सिमट गया है। इसकी शुरुआत गुजरात से हुई। उस समय नरेन्द्र मोदी वहां के मुख्यमंत्री थे और बाद में पूरे देश में एक ऐसी नीति अपनाई गई जो स्पष्ट रूप से व्यवसाय–समर्थक थी। इस साल अप्रैल में नोएडा इलाके में न्यूनतम वेतन को बढ़ाने की मांग को लेकर हुई एक बड़ी हड़ताल के बाद उत्तर प्रदेश में 350 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया और श्रमिक प्रतिनिधियों को जेल में डाल दिया गया। जब सरकार और प्रशासन का इस्तेमाल विरोध–प्रदर्शनों और हड़तालों को दबाने के लिए किया जाने लगे तो श्रमिकों का संगठित होना एक बड़ी चुनौती बन जाता है।श्नए भारतश्च की श्गिग इकॉनामीश्च में अब एक नया श्रमिक वर्ग सामने आया है। इस वर्ग पर सबका ध्यान तब गया जब पिछले हफ्ते विपक्ष के नेता राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में हजारों गिग वर्करों के साथ एक रैली की और उनके लिए राज्य की एक नई कल्याणकारी योजना की शुरुआत की। पूरे देश में गिग वर्करों की संख्या लगभग 1.2 करोड़ है, जिनमें से करीब 6 लाख तेलंगाना में हैं। इस रैली ने एक बढ़ते हुए वर्ग को आवाज दी है जिसकी संख्या इस दशक के अंत तक 2.3 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। एक तरफ ये प्लेटफॉर्म और उनका प्रबंधन नए और आगे बढ़ते भारत की तस्वीर पेश करते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उनके गिग श्पार्टनरश्र असल में सबसे गरीब बेरोजगार युवा हैं।14 नवंबर को शुरू की गई तेलंगाना की इस योजना में हर श्गिग वर्करश्र को 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने का प्रावधान है। इसके लिए हर ट्रांजेक्शन पर 1 प्रतिशत लेवी (शुल्क) लगाई जाएगी। प्लेटफॉर्म कंपनियां यह लेवी श्राज्य गिग वर्कर्स बोर्डश्च के पास जमा करेंगी। इस योजना में पूरे हैदराबाद में वाई–फाई सुविधा वाले श्रेस्ट जोनश्च (आराम करने की जगह) और वाहनों के लिए पार्किंग की जगह देने का वादा किया गया है। साथ ही, काम से जुड़े डेटा, रिकॉर्ड और भुगतान में पारदर्शिता लाने की बात भी कही गई है। राहुल गांधी के शब्दों में कहें तो, श्भाजपा–आरएसएस चाहते हैं कि आप दिन के चौबीसों घंटे काम करें, अपना खून–पसीना बहाएं– दुर्घटनाओं में घायल हों, मरें, कुचले जाएं या अपंग हो जाएं, ताकि इसका पूरा फायदा अरबपतियों, जैसे अंबानी और अडानी या उबर और ओला जैसी कंपनियों को मिले जबकि आपको अपनी कड़ी मेहनत का कोई इनाम या लाभ न मिले।श उन्होंने यह भी कहा कि, श्कांग्रेस का मानना है कि मजदूर ही इस देश की नींव हैं।यह संकेत मिलता है कि चाहे अपनी मर्जी से हो या राजनीतिक मजबूरी, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स पर नए सिरे से ध्यान दिए जाने के साथ मजदूरों के अधिकारों के पक्ष में माहौल बन रहा है। ये वर्कर न केवल वर्कफोर्स में संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं बल्कि अपने साथ समकालीन राजनीति में भी एक बदलाव लाते हैं। ये वर्कर न तो श्गेट मीटिंगश्र कर सकते हैं, न ही मैनेजर के दफ्तर में घुस सकते हैं और न काम बंद करके अपने औजार नीचे रख सकते हैं– क्योंकि उनके औजार और उनके दफ्तर असल में उनके वाहन, उनके घर और उनकी अपनी संपत्तियां हैं। उनके लिए श्दफ्तरश्र तक पहुंचने का जरिया कोई ऐप या हेल्पलाइन है। इसलिए उनके विरोध–प्रदर्शन भी बिल्कुल अलग तरह के होते हैंय जैसे कि पिछले साल नए वर्ष की पूर्व संध्या पर किया गया श्मास लॉग–ऑफश्र (एक साथ ऐप से लॉग–आउट करना)। सरकार भी इन पर उस तरह से सख्ती नहीं कर सकती जैसे वह फैक्ट्री मजदूरों पर करती है क्योंकि गिग वर्कर किसी एक छत के नीचे संगठित नहीं होते बल्कि वे अलग–अलग बिखरे हुए होते हैं। फिर भी, प्लेटफॉर्म कंपनियां रेटिंग, इंसेंटिव और अकाउंट डीएक्टिवेट करने जैसे तरीकों से उन्हें नियंत्रित कर सकती हैं। ऐप से हटा दिए जाने को एक तरह का नया श्लॉकआउटश्र कहा जा सकता है, ठीक वैसे ही जैसे बड़ी संख्या में लोगों का एक साथ लॉग–ऑफ करना, फैक्ट्री हड़ताल का एक नया रूप है।ऐसा नहीं है कि केंद्र में भाजपा सरकार ने गिग वर्कर्स पर ध्यान नहीं दिया है। नए लेबर कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा, कल्याण कोष और लाभों की पोर्टेबिलिटी जैसी योजनाओं में शामिल किया गया है। श्सोशल सिक्योरिटी कोडश्र में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य व मातृत्व लाभ तथा बुढ़ापे में सुरक्षा जैसे सामाजिक सुरक्षा उपाय बनाने का प्रावधान है। यह उन व्यापक श्रम सुधारों का हिस्सा था जिन्हें श्पहले कभी न देखे गएश्र सुधारों के रूप में पेश किया गया था। इसके तहत 29 केंद्रीय कानूनों को मिलाकर चार लेबर कोड बनाए गए लेकिन केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के विरोध के बावजूद इन्हें लागू कर दिया गया। एक तरफ प्रबंधन इन कोड्स का स्वागत कर रहा है जबकि दूसरी तरफ कर्मचारी इनका समर्थन नहीं कर रहे हैं जिसकी वजह से ये सुधार व्यावहारिक रूप से अर्थहीन हो गए हैं। केंद्र सरकार का दृष्टिकोण मुख्य रूप से गिग वर्कर्स की चिंताओं को श्अवसरश्र और श्विकासश्र के नजरिए से देखने का रहा है। इसे श्अभूतपूर्व अवसरश्र, श्राजस्व सृजनश्र और श्आर्थिक विविधीकरणश्र जैसी शब्दावली में पेश किया गया। आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में कम वेतन, एल्गोरिदम के जरिए नियंत्रण और प्लेटफॉर्म की ताकत जैसे मुद्दों को उठाया गया था। साथ ही नए साल की पूर्व संध्या पर हुई हड़ताल और केंद्रीय श्रम मंत्री के साथ बैठक के बाद जनवरी में श्क्विक–कॉमर्सश्र कंपनियों ने 10 मिनट में डिलीवरी देने के उस वादे को वापस ले लिया जो कर्मचारियों के शोषण का कारण बन रहा था लेकिन कर्मचारियों के अधिकारों के लिए सबसे मजबूत आवाजें कांग्रेस शासित राज्यों से (जिन्होंने सबसे पहले कानून बनाएरू 2023 में राजस्थान, 2025 में कर्नाटक और अब तेलंगाना) और नागरिक समाज से उठी हैं। सितंबर, 2026 श्जनपहलश्र (एक गैर–लाभकारी संस्था) और गिग वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा श्भारत में प्लेटफॉर्म–आधारित गिग वर्कर्स की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्यश्र शीर्षक से आयोजित सर्वेक्षण का निष्कर्ष था कि गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अक्सर लंबे समय तक काम करना पड़ता है, वे लगातार काम से जुड़े खतरों का सामना करते

नागरिकों की संवैधानिक गारंटी की रक्षा करने में नाकाम रहा है चुनाव आयोग

नीलोत्पल

यह उम्मीद के मुताबिक ही था, क्योंकि इसमें चुनावी लोकतंत्र का स्वभाव शामिल है। एक चुनी हुई सरकार की वैधता चुनावी प्रक्रिया के संचालन की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि इसके लिए मूल रूप से एक समान खेल के मैदान की जरूरत है, जिसे सुनिश्चित करने का काम चुनाव आयोग का है। इसी वजह से मौजूदा भारतीय चुनाव आयोग इतनी गहरी जांच के दायरे में आया है। हालांकि, जिस बात पर जोर देने की जरूरत है, वह है नागरिकता का विचार। यही मुख्य सवाल है जिसे ठीक से समझने और समझाने की जरूरत है। एसआईआर के विवादित चरित्र के सबूत के तौर पर, बिहार में अपने शुरुआती दौर से ही, मामलों को न्यायपालिका, खासकर सर्वोच्च न्यायालय को भेजा जाता था और क्या उम्मीद भी की जा सकती थी? संविधान खुद साफ–साफ कहता है कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता चुनाव आयोग के स्वतंत्र कामकाज पर निर्भर करती है, और इसलिए यह इसे एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था बनाता है, जो इसे बाहरी राजनीतिक दबावों, खासकर सत्तारूढ़ पार्टी के दबावों से बचाता है।यह पक्का करने के लिए, संविधान ने आर्टिकल 326 में साफ कहा था कि चुनाव सच में सार्वभौमिक मतदान के अधिकार से चलने वाला होना चाहिए, जिसके केंद्र में नागरिक हो। संविधान ने मतदाता की नागरिकता को स्वघोषणा के आधार पर माना। हालांकि, चुनाव आयोग को उस स्वघोषणा की पुष्टि करने की जिम्मेदारी दी गई थी। बाद के कानूनों और नियमों ने, जब भी जरूरत हो, ऐसे पुष्टिकरण के लिए एक कानूनी प्रक्रिया तय की। लेकिन बारीक बातें साफ नहीं थीं। चुनाव आयोग के पास किसी मतदाता की नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं था। उन नियमों के तहत खास फॉर्म दिए गए थे, जिन्हें अगर आस–पास के दूसरे नागरिकों को उस वोटर की पहचान पर शक हो तो भरा जा सकता था।भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने कई कानूनी विवादों को पूरी तरह से सुलझाया नहीं, लेकिन उसने जोर देकर कहा है कि मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना या न होना उसकी नागरिकता पर आखिरी फैसला नहीं माना जा सकता।यह भी बहुत साफ है कि फॉर्म 7 का इस्तेमाल, और चुनाव आयोग द्वारा इसकी पहचान और पुष्टिकरण, एसआईआर पर पूरी बहस के सबसे विवादित पहलुओं में से एक रहा है। नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 का गलत इस्तेमाल, भाजपा और उसके बूथ–लेवल एजेंटों द्वारा, और यहां तक कि खुद चुनाव आयोग द्वारा (विशेषकर पश्चिम बंगाल में) इसे बड़ी संख्या में जमा करना, अब सर्वोच्च न्यायालय के सामने चुनाव आयोग के अपने हलफनामे के जरिए रिकॉर्ड में है।असल बात यह है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को बड़े पैमाने पर मतदान करने के अधिकार से वंचित किया गया है। अब बिना कही गई लेकिन अंदरूनी कहानी यह है कि जिनके नाम हटाए गए हैं, उन्हें गैर–नागरिक माना जा रहा है। इस कहानी से गहराई से जुड़ा हुआ है भाजपा–आरएसएस का अभियान, खासकर असम और बंगाल में, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों ने मतदाता सूची में घुसपैठ की है और मतदाता सूची को खराब कर दिया है। इस कहानी को चुनाव आयोग ने 24 जून, 2025 को अपनी पहली अधिसूचना में आधिकारिक तौर पर सही ठहराया था। भले ही चुनाव आयोग के पास नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है, लेकिन उसने शायद इस अधिकार को मत देने के अधिकार से वंचित करने की मुख्य वजह बताया है। क्या यह अचानक हुआ? जवाब है नहीं। अमित शाह का जोरदार दावा था कि मतदाता सूची में बदलाव का मकसद श्उन घुसपैठियों का पता लगाना, उन्हें हटाना और देश से निकालनाश होगा जिन्होंने श्मतदाता सूची को खराब किया हैश। लेकिन, चुनाव आयोग अपने औपचारिक फैसले लेने की प्रक्रिया में ऐसा कोई सुबूत नहीं दे पाया कि ऐसा कोई मामला बनाया गया था। लगभग 13.5 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने के बावजूद, पहचाने गए घुसपैठियों की संख्या बहुत कम है। इस छोटी सी संख्या में भी, ज्यादातर



नेपाल से थे। कुछ राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने बताया है कि यह सवाल पूछा ही नहीं गया था। इसलिए, यह साफ है कि घुसपैठियों का पूरा मुद्दा नागरिकता को सामने लाने और उस पर बड़ा सवालिया निशान लगाने के लिए एक हौवा था। इस बीच, भाजपा की अगुवाई वाली राज्य सरकारों और अब केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने भी ऐलान कर दिया है कि सरकारी योजनाओं और फंड तक पहुंच के लिए आधार कार्ड नहीं, बल्कि एपिक (वोटर आईडी कार्ड) और बायोमेट्रिक्स को आधार बनाया जाएगा, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने इसके उलट राय दी है। इस बहाने से नागरिकता को आगे बढ़ाया जा रहा है। नागरिकता के सवाल पर संशय होने की स्थिति में, हमें नागरिकता के मुद्दे पर हिंदुत्ववादी ताकतों के ऐतिहासिक रुख पर एक नजर डालनी होगी। सावरकर ने अपने पैम्फलेट श्हू इज अ हिंदूश्च (हिंदू कौन है) में यह तर्क दिया था कि जिन लोगों के लिए भारत श्पितृभूमिश्च और श्पुण्यभूमिश्च दोनों है, उन्हें ही नागरिक माना जाना चाहिए। इस तरह, धार्मिक पहचान को राष्ट्र और नागरिकता के आधार के रूप में परोक्ष रूप से स्थापित करने की कोशिश की गई। बाद में, गोलवलकर ने अपनी किताब श्वी ओर आवर नेशनहुड डिफाइंडश्च (हम या हमारी राष्ट्र–परिभाषा) में इसे और भी स्पष्ट शब्दों में दोहराया। लेकिन लगभग सात दशकों तक नागरिकता का यह सवाल दबा रहा, जिसे बाद में राम जन्मभूमि अभियान के दौरान फिर से जोर–शोर से उठाया गया। हालांकि, अगर बारीकी से देखा जाए।

शीतला धाम चौकियां में अभिनेता एवं गायक जितेन्द्र झा को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित शीतला धाम चौकियां में देव दीपावली के अवसर पर भव्य जागरण एवं झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भोजपुरी स्टार गायक रितेश पांडेय ने



गायक एवं अभिनेता जितेन्द्र झा (जीतू) को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं विधि–विधान से पूजन के साथ हुआ। इसके बाद जितेन्द्र झा ने गणेश वंदना श्तुम हो गणेश बेमिसालश प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया। इस दौरान एक से बढ़कर एक आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं। अंत में भोजपुरी गायक रितेश पांडेय ने देवी गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष महंत विनय त्रिपाठी, उपाध्यक्ष अनिल सोनकर, कोषाध्यक्ष संजय माली, महामंत्री जय बिन्द माली सहित आयोजक विशाल भारद्वाज, सतीश तिवारी एवं अजय यादव ठेकेदार उपस्थित रहे। मंच संचालन कृष्णा पंडित ने किया।

मतदाता जोड़ो अभियान को गति देने और बूथों पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर

प्रदेश सह प्रभारी प्रदीप कुमार वर्मा ने जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के साथ की मैराथन बैठक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री, राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश सह प्रभारी प्रदीप कुमार वर्मा ने सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक की।इसमें प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई।उन्होंने मतदाता जोड़ो अभियान पर विशेष जोर दिया।उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाया जाए। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहे। इसके लिए कार्यकर्ता घर–घर संपर्क करें। लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक करें।उन्होंने कहा कि पार्टी पदाधिकारी अपने–अपने बूथों पर लगातार मौजूद रहें। बूथों की अद्यतन स्थिति की जानकारी रखें। वहां संगठन की सक्रियता और जनसंपर्क की नियमित समीक्षा करें।बूथों पर पार्टी के वैचारिक मतदाताओं को सूचीबद्ध करें। उन्होंने



कहा कि बूथ संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। इसकी मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी से काम करना होगा।कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि योगी सरकार की कानून व्यवस्था पूरे देश में एक मॉडल के रूप में देखी जा रही है।पदाधिकारी सरकार के इस कार्य की व्यापक स्तर पर चर्चा करें।जनता को सरकार की नीतियों और उपलब्धियों की जानकारी दें। उन्होंने संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी जोर दिया।कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी सक्रियता से करे।मतदाता जोड़ो अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बूथ स्तर तक निरंतर संपर्क बनाए रखें। बैठक में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, अभय सिंह, अमित सिंह चौहान, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, आलोक कुमार सिंह रोहित, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अभिषेक मिश्र, कमला शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कोरी, शिवेन्द्र सिंह, राघवेन्द्र पाण्डेय, अशोक कसौंधन, सहित अन्य आपेक्षित पदाधिकारी मौजूद रहे।

देव दीपावली पर 'देवो' की ऐतिहासिक पहल ने जीता काशीवासियों का दिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

वाराणसी। देव दीपावली की पावन संध्या पर जब काशी के प्राचीन घाट लाखों दीपों की रोशनी से जगमगा रहे थे, तब संध्या आरती के लिए उमड़े लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक ऐसा अलौकिक नजारा देखने को मिला जो उनके जीवन की सबसे खूबसूरत याद बन गया। सियाराम के प्रतिष्ठित मेन्स एथनिक वियर ब्रांड 'देवो' ने 23 और 24 नवंबर 2026 को वाराणसी में देश के पहले 'रॉयल बनारसी हेरिटेज वेडिंग ऑन द घाट' (फ्लोटिंग शादी मंडप) का भव्य आयोजन कर नया इतिहास रच दिया। पुरुषों के खास मौकों के लिए प्रीमियम फैशन ब्रांड देवो ने वाराणसी में दो नए स्टोर शुरू किए। अब देवो के स्टोर दुर्गाकुंड और मलदहिया में भी उपलब्ध हैं। रविदास घाट से नमो घाट तकरू संध्या आरती के दर्शकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव काशी के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रोंकृरविदास घाट और अस्सी घाट से लेकर भव्य दशाश्वमेध घाट और आधुनिक नमो घाट तककृगंगा की लहरों पर तैरती यह शाही विवाह नौका हर किसी के आकर्षण का केंद्र बनी रही। शाही फूलों से सजे मंडप में 'द रॉयल ग्रूम ऑफ बनारस' के राजसी अंदाज में सजे देवो दूल्हे, दुल्हन और पारंपरिक पंडित जी द्वारा संपन्न की जा रही जीवंत वैवाहिक रस्मों ने पूरे माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। संध्या गंगा आरती के साक्षी बनने आए श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए यह झलक किसी सुखद सपने से कम नहीं थी। लोगों ने इस अनूठी प्रस्तुति की जमकर सराहना की, अपने कैमरों में इन पलों को कैद किया और देवो ब्रांड के प्रति अभूतपूर्व प्यार व उत्साह दिखाया। मेड ऑफ



इंडिया' – काशी की विरासत और सियाराम की उत्कृष्टता का संगम बनारस सदियों से भारतीय बुनकरी कला, शाही परिधानों और भव्य विवाह परंपराओं का केंद्र रहा है। देवो का मूल दर्शन 'मेड ऑफ इंडिया' काशी की इसी सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा हुआ है। सियाराम की चार दशकों की वस्त्र विरासत के साथ, देवो भारतीय कारीगरी को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करता है। जनता से मिले इस अपार स्नेह पर विकास मल्होत्रा (व्यवसाय प्रमुख – देवो एवं उपाध्यक्ष, सियाराम) ने कहा,ष्अस्सी, दशाश्वमेध, रविदास और नमो घाट पर संध्या आरती के दौरान उमड़े जनसैलाब से मिला प्यार और उत्साह हमारे लिए बेहद भावुक कर देने वाला है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी यादगार झांकी प्रस्तुत करना था जो 'द रॉयल ग्रूम ऑफ बनारस' और हमारी 'मेड ऑफ इंडिया' सोच को जीवंत करे। काशीवासियों ने देवो को जो अभूतपूर्व सम्मान और प्रेम दिया है, वह हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। आगामी वेडिंग सीजन के लिए संपूर्ण मेन्स एथनिक कलेक्शन अब वाराणसी में आगामी शादियों और त्योहारों के सीजन को खास बनाने के लिए, देवो पूर्वांचल के दूल्हों, बारातियों और परिवारों के लिए एक ही छत के नीचे परिधानों की संपूर्ण श्रृंखला लेकर आया है शादी के मुख्य दिन के लिए बारीक हैंड–एम्ब्रॉयडरी, रिच सिल्क और शाही बुनकरी से तैयार की गई प्रीमियम शेरवानियां, जो हर दूल्हे को राजसी व्यक्तित्व प्रदान करती हैं। संगीत और कॉकटेल नाइट्स के लिएरू आधुनिक कट्स और शाही अंदाज का मेल लिए हुए इंडो–वेस्टर्न आउटफिट्स और क्लासिक बंदगला सूट्स। हल्दी, मेहंदी और पारिवारिक रस्मों के लिएरू आरामदायक और आकर्षक रंगों में सजे फेस्टिव कुर्ते, बंडी सेट्स और नेहरू जैकेट्स। संपूर्ण शाही लुक के लिए एक्सेसरीजरू शेरवानी के साथ मैचिंग साफा (पगड़ी), शाही स्टोल, ब्रोच और पारंपरिक फुटवियर की खास रेंज। देशभर में 24 से अधिक एक्सक्लूसिव स्टोर्स के बाद, अब 'देवो' वाराणसी के दुर्गाकुंड और मलदहिया में भी खुल चुका है।

दो स्टाफ नर्सों पर भ्रष्टाचार, धनउगाही का आरोप

जौनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में तैनात दो स्टाफ नर्सों के स्थानांतरण के बावजूद उन्हें कार्यमुक्त नहीं किए जाने का मामला जिलाधिकारी तक पहुंच गया है। अकबरपुर गांव निवासी विद्यसागर पुत्र किशोरीलाल ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर स्टाफ नर्स सुनीता राम और अंकिता पांडेय को तत्काल कार्यमुक्त कराने की मांग की है। आरोप लगाया गया है कि दोनों स्टाफ नर्सों का अलग–अलग स्थानों पर स्थानांतरण हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद वे अब तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में तैनात हैं। शिकायतकर्ता ने दोनों पर भ्रष्टाचार, धनउगाही और विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने के साथ आमजन के प्रति अच्छा व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाया है।षिकायत में दोनों स्टाफ नर्सों पर बिना पंजीकरण अस्पताल और नर्सिंग होम चलाने, प्रसव, ऑपरेशन और गर्भपात के नाम पर मरीजों से मोटी रकम लेने तथा उन्हें निजी अस्पतालों में रेफर करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने सुनीता राम के संबंध में नारायण पाली क्लीनिक का उल्लेख करते हुए पंजीकरण नहीं होने के कारण स्वास्थ्य विभाग की ओर से उसे सीज किए जाने की बात कही है। वहीं, अंकिता पांडेय पर सीएचसी में प्रसव के नाम पर धन लेने और मरीजों को प्रसव व ऑपरेशन के लिए निजी अस्पतालों में स्थानांतरित करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने चिकित्सा अधीक्षक पर भी दोनों स्टाफ नर्सों को कार्यमुक्त नहीं करने का आरोप लगाते हुए इसे मिलीभगत बताया है। उन्होंने जिलाधिकारी से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित कर दोनों स्टाफ नर्सों को तत्काल प्रभाव से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत से कार्यमुक्त कराने और स्थानांतरण आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

अंतिम संस्कार से परिजनों का इनकार

जौनपुर। बदलापुर थाना क्षेत्र के खालिसपुर गांव में अवधेश पाठक की हत्या के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया है। परिजनों का कहना है कि जब तक जमीन से जुड़े पुराने विवाद का पूरी तरह समाधान नहीं हो जाता, तब तक वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। मृतक का शव अभी गांव स्थित घर पर ही रखा हुआ है। मौके पर बदलापुर थाने की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। परिजन अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

उप मुख्यमंत्री आयेगें आज ,45 मिनट रहेंगे

जौनपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को जिले के सुइथाकलां क्षेत्र स्थित छीतमपट्टी गांव आएंगे। वह एक शादी समारोह में शामिल होंगे। मौर्य हेलीकॉप्टर से दोपहर 12:05 बजे गांव पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उपमुख्यमंत्री शादी समारोह में करीब 45 मिनट तक रहेंगे। इसके बाद दोपहर 12:50 बजे हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। हेमंत तिवारी ने बताया कि मौर्य का कार्यक्रम पहले सोमवार, 23 नवंबर को प्रस्तावित था, लेकिन किसी कारण से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब उनका दौरा बुधवार को निर्धारित किया गया है।डिप्टी सीएम के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। हेलीपैड से शादी समारोह स्थल तक पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जाएगी।

पानी की टंकी पर चढ़ा वृद्ध

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के पुरेंव गांव में जमीन विवाद सुलझाने की मांग को लेकर श् वर्षीय षिव शंकर पटेल सरकारी पानी की टंकी पर चढ़ गए। उन्होंने टंकी से कूदकर जान देने की धमकी दी।यह घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे नहर के पास हुई। शिव शंकर करीब 50 फीट ऊंची टंकी पर चढ़े थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाया और करीब आधे घंटे बाद नीचे उतारा।पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के तीन–तीन लोगों को गिरफ्तार कर चालान किया। एसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि दूसरे पक्ष के मकान में शटरिंग लगी थी, जिसका शिव शंकर विरोध कर रहे थे। उन्हें विवाद सुलझाने का आश्वासन देकर समझाया गया।गांव में चकबंदी चल रही है। इस दौरान शिव शंकर के भाई सुरेश मकान बनवा रहे हैं। मामला अदालत में है, फिर भी निर्माण जारी था। शिव शंकर इसी का विरोध कर रहे थे। विवाद को लेकर दोनों भाईयों तनाव बना हुआ है।

पेशे से कोटेदार,लेकिन जनसमस्याओं के समाधान के लिए हमेशा सक्रिय रहते हैं राम बहादुर यादव

अयोध्या।समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं,जिनकी पहचान उनके पद और पेशे से कहीं अधिक उनके व्यवहार, सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के प्रति समर्पण से बनती है।ऐसे ही लोगों में कोतवाली नगर क्षेत्र के कांतिनगर निवासी राम बहादुर यादव का नाम शामिल है। पेशे से कोटेदार राम बहादुर यादव ने अपने व्यवहार, सक्रियता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजगता से क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है।उनकी गिनती ऐसे जागरूक नागरिक और समाजसेवी के रूप में की जाती है,जो केवल अपने व्यक्तिगत दायरे तक सीमित न रहकर मोहल्ले और आसपास के लोगों की समस्याओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।राम बहादुर यादव की विशेषता है कि वह क्षेत्र की छोटी–बड़ी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करते। मोहल्ले में साफ–सफाई की व्यवस्था हो, सड़क की बदहाली हो, नालियों की सफाई और जलनिकासी का मामला हो अथवा सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी कोई परेशानी, वह हर विषय पर गंभीरता से ध्यान देते हैं। उनका प्रयास रहता है कि मोहल्ले के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। कहीं कोई कमी या अव्यवस्था दिखाई देती है तो उसके



समाधान के लिए संबंधित लोगों और जिम्मेदार विभागों तक बात पहुंचाने के साथ ही हरसंभव प्रयास करते हैं कि समस्या का निस्तारण समय रहते हो जाए।उनके सामाजिक व्यवहार की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वह क्षेत्र के लोगों के सुख–दुख में सहभागी बनने से पीछे नहीं हटते।किसी परिवार में खुशी का अवसर हो या किसी पर विपत्ति आ जाए, वह अपनी उपस्थिति और सहयोग से लोगों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास करते हैं। जरूरतमंदों की मदद, आपसी विवादों में संवाद और समझदारी से समाधान का प्रयास तथा मोहल्ले में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखना उनकी सामाजिक कार्यशैली का हिस्सा है।कोटेदार के रूप में भी उनका आमजन से सीधा जुड़ाव रहता है। इस जिम्मेदारी के साथ वह सामाजिक दायित्वों को भी महत्व देते हैं। उनका मानना है कि समाजसेवा के लिए किसी बड़े पद या संस्था की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि अपने आसपास रहने वाले लोगों की परेशानियों को समझना और उनके समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास करना ही वास्तविक जनसेवा है।आज जब शहरी क्षेत्रों में साफ–सफाई, जलनिकासी, सड़क और अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर अक्सर शिकायतें सामने आती हैं, ऐसे समय में राम बहादुर यादव जैसे जागरूक नागरिकों की सक्रियता समाज के लिए सकारात्मक संदेश देती है। उनकी कोशिश रहती है कि कांतिनगर और आसपास का इलाका स्वच्छ, व्यवस्थित और बेहतर सुविधाओं से युक्त बने तथा किसी भी व्यक्ति की जायज समस्या को अनदेखा न किया जाए। स्थानीय स्तर पर सामाजिक सहभागिता और जन समस्याओं के प्रति उनकी सक्रियता उन्हें अलग पहचान दिलाती है।निश्चित रूप से समाज में ऐसे लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है,जो केवल अपनी सुविधाओं के बारे में नहीं सोचते, बल्कि मोहल्ले और समाज की बेहतरी के लिए भी लगातार प्रयास करते रहते हैं।राम बहादुर यादव की यही सोच और सक्रियता उन्हें पेशे से कोटेदार होने के साथ–साथ समाजसेवी के रूप में भी पहचान दिलाती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर किया स्नान और दान

जौनपुर। कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंगलवार को गोमती में डुबकी लगाकर सूर्य को अर्घ्य दिया। सूरज घाट, हनुमान घाट, गोपी घाट सहित विभिन्न घाटों पर भोर से ही स्नान, ध्यान और दान का सिलसिला शुरू हो गया। शाम को भी लोगों ने स्नान कर दीप जलाए। खुटहन के पिलकिछा घाट पर लोगों ने स्नान के बाद पूजन अर्चन किया। गोमती नदी के सूरज घाट पर लगे मेले में लोगों ने घरेलू इस्तेमाल की वस्तुओं को प्रसिद्ध गट्टे की खरीदारी की। कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान, पूजन और दान विशेष फलदायी माना जाता है। इस प्रमुख स्नान पर्व पर भोर में ही श्रद्धालु स्नान के लिए गोमती के घाटों पर पहुंच गए। गोमती में डूबकी लगाकर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देने के बाद मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके बाद दान पुण्य किया। शहर के पचहटिया स्थित गोमती नदी के सूरज घाट पर मेले का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने कृषि के औजार, सूप, दौरी और मिट्टी के बर्तनों समेत अन्य घरेलू इस्तेमाल की वस्तुओं की खरीदारी की। मेले में एक से पांच किलो तक के गट्टे बिकते हैं जो आकर्षण के केंद्र होता है। खुटहन के पिलकिछा तिलवारी घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने स्नान दान किया। भोर में ही स्नानार्थी जुटने लगे थे। स्नान के बाद लोगों ने राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना की। आज से ही यहां का साप्ताहिक मेला शुरू हो गया। मान्यता है कि लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद श्रीराम पुष्पक विमान से देवी सीता, लक्ष्मण और वानरों के साथ लोटते समय कुछ देर के लिए यहां रुके थे और स्नान और पूजन किया था। उनके पल पर रुकने की वजह से ही नदी पार के गांव का नाम तिलवारी रखा गया। बाद में ग्रामीणों की मदद से यहां राम जानकी मंदिर बनाया गया। यहां का साप्ताहिक मेला प्रसिद्ध है। ब्लॉक के राजेपुर गांव में सई–गोमती नदी के संगम स्थल पर मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान करके रामेश्वरम महादेव का दर्शन पूजन किया।लोगो ने इस मौके पर अन्न तथा वस्त्र व धन दान भी दिया।भोर होते ही श्रद्धालुओं का संगम में स्नान करना शुरू हो गया था। दिन चढ़ने के साथ ही मेला क्षेत्र में भीड़ बढ़ती गई और दोपहर तक हजारों लोग यहां पहुंच चुके थे। मेले में पुरुषों ने मशहूर रेवड़ा खरीदा।जबकि महिलाओं ने श्रृंगार का सामान खरीदने में रुचि दिखाई। वही मेले में आये बच्चों ने खिलौनों को खरीदा।इसके अलावा बच्चो व महिलाओं ने झूलों व चरखों का आनंद उठाया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।थानाप्रभारी शिवशंकर सिसोदिया सुरक्षा की दृष्टि से लगातार चक्रमण करते रहे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 नियो स्मॉर्टफोन

आर एल पाण्डेय

कानपुर । मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की प्रमुख कंपनी तथा भारत के प्रमुख् एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज70 नियो के लॉन्च की घोषणा की। एआई–पावर्ड फोटोग्राफी, आरामदायक क्वाड–कर्व्ड डिजाइन, इमर्सिव डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ इस स्मार्टफोन को हर बारीकी कैद करने के लिए बनाया गया है। एआई–पावर्ड 50 एमपी सोनी लिटिया 710 कैमरा, 17.22सेमी (6.8 इंच) एक्सट्रीम एमोलेड सुपर एचडी (1.5 के) डिस्प्ले, स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 चिपसेट और 7000एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ मोटोरोला एज 70 नियो अलग पहचान वाले डिजाइन, काम की तकनीक और रोजमर्रा की मजबूती का बेहतरीन संगम पेश करता है। मोटोरोला एज 70 नियो अपने 50 एमपी सोनी लिटिया 710 मुख्य कैमरे के साथ एआई–पावर्ड फोटोग्राफी को सबसे आगे रखता है। असली जैसे रंग और बनावट के लिए एआई–ट्यून्ड यह कैमरा ऑटोमैटिक मोशन डिटेक्शन और तेज शटर रिस्पॉन्स का इस्तेमाल करता है, जिससे बिना धुंधलेपन वाली साफ तस्वीरें लेने में मदद मिलती है। ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन (ओआईएस) खासकर मुश्किल रोशनी में फोटो की स्पष्टता और बारीकियों को और बेहतर बनाता है। पैंटोनऋ वैलिडेटेड कलर्स और स्किन टोन के साथ यूजर्स दुनिया को भरोसे के साथ ठीक वैसा ही कैद कर सकते हैं, जैसा वे देखते हैं। इसके अलावा यह कैमरा वीडियो एचडीआर, 4 के वीडियो रिकॉर्डिंग और 10एक्स सुपर जूम को भी सपोर्ट करता है, जिससे यूजर्स जीवंत दृश्यों और दूर की चीजों को ज्यादा साफ कैप्चर कर सकते हैं। मुख्य कैमरे के साथ–साथ इसमें बारीक चीजें कैद करने के लिए एक खास मैक्रो कैमरा और सही रोशनी का अंदाजा लगाने के लिए 3–इन–1 लाइट सेंसर दिया गया है। इस स्मार्टफोन में 32 एमपी का सेल्फी कैमरा है, और मुख्य लेंस व सेल्फी कैमरा दोनों से 4 के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ एडैप्टिव स्टेबलाइजेशन की सुविधा मिलती है। बैकग्राउंड में काम करने वाला एआई–पावर्ड फोटो



एन्हैंसमेंट इंजन आसानी से प्रोफेशनल क्वालिटी की फोटो देने में मदद करता है। इसके अन्य कैमरा फीचर्स में डायनामिक बोकेह के साथ पोर्ट्रेट मोड, कई फोकल लेंथ, सिग्नेचर स्टाइल, ऑटो नाइट विजन, ऑटो स्माइल कैप्चर, डुअल कैप्चर, फेस रिटच, जेस्चर कैप्चर, फोटो बूथ, प्रो मोड, पैनोरमा और लाइव फिल्टर्स शामिल हैं। नए सिरे से डिजाइन किए गए कैमरा यूआई 5.0 की मदद से मोड बदलना, सेटिंग्स देखना और कैमरा ट्यूटोरियल समझना और भी आसान हो जाता है। मोटोरोला एज 70 नियो में अपनी यादों को व्यवस्थित करने, एडिट करने और शेयर करने के लिए गूगल फोटोज के कई फीचर्स भी मिलते हैं। यूजर्स बातचीत के जरिए एडिटिंग के लिए आस्क फोटोज, फोटो टु वीडियो, रिकैप, इमेज एडिटर, रीमिक्स, ऑटो फ्रेम, मैजिक इरेजर, फोटो अनब्लर, पोर्ट्रेट ब्लर, पोर्ट्रेट लाइट, रीइमेजिन, सिनेमैटिक फोटोज, हाईलाइट वीडियो और वीडियो प्रिसेट जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। आराम और खास कारीगरी को साथ लाते हुए मोटोरोला एज 70 नियो में क्वाड–कर्व्ड डिजाइन दिया गया है, जो हाथ में सहज और स्वाभाविक पकड़ देता है। इसका आगे का मुड़ा हुआ ग्लास पिछले हिस्से के साथ इतने सलीके से मिलता है कि फोन में कोई नुकीला किनारा महसूस नहीं होता और पूरा फोन एक लय में ढला हुआ दिखता है। यह स्मार्टफोन तीन खास फिनिश में आता हैरू सिल्क से प्रेरित, एसीटेट और लेदर से प्रेरित। इन्हें इस तरह तैयार किया गया है कि रोज के इस्तेमाल में ये जल्दी खराब न हों और इनका सलीकेदार लुक बना रहे। इसकी एसीटेट फिनिश हल्की चमक के साथ हर फोन को एक अलग और अनोखा पैटर्न देती है, वहीं सिल्क से प्रेरित फिनिश छूने पर लग्जरी का अहसास कराती है। पैंटोन कलर इंस्टिट्यूटऋ के साथ मिलकर तैयार किए गए इसके चुनिंदा रंगों में पैंटोनऋ माउंटेन व्यू, ग्रे लिलैक, मिल्की ब्लू और सेज शामिल हैं। डिस्प्ले की बात करें तो मोटोरोला एज 70 नियो में 17.22 सेमी (6.8इंच) एक्सट्रीम एमोलेड सुपर एचडी (1.5 के) क्वाड–कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है, जो ज्यादा स्पष्ट और जीवंत अनुभव देता है। 1272पी हट्र्ज रेजोल्यूशन और 144हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ स्क्रॉलिंग, गेमिंग और मनोरंजन के दृश्य और भी स्मूथ दिखते हैं। इसमें पैंटोन वैलिडेटेड कलर्स और स्किन टोन, एचडीआर10, 100 प्रतिशत डीसीआई– पी 3 कलर गैमट और 10–बिट कलर डेप्थ मिलती है, जिससे तस्वीरें और वीडियो असली जैसे लगते हैं। डिस्प्ले की अधिकतम ब्राइटनेस 5200 निट्स तक जाती है, और गीले हाथों या हल्की नमी में भी स्क्रीन चलाने के लिए वाटर टच तकनीक दी गई है। इसके अलावा डॉल्बी एटमॉस और दो बड़े स्टीरियो स्पीकर मिलकर सराउंड साउंड का अनुभव देते हैं। मोटोरोला एज 70 नियो में स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट दिया गया है, जो रोजमर्रा के कामों, मनोरंजन और गेमिंग में बेहद तेज परफॉर्मेंस देता है। भारी काम या लंबे गेमिंग के दौरान फोन को ठंडा और तेज बनाए रखने के लिए इसमें 4466एमएम स्क्वायर का बड़ा वेपर चौंबर कूलिंग सिस्टम है। इसमें सर्कल टु सर्च और गूगल जेमिनी जैसे स्मार्ट एआई फीचर्स भी मिलते हैं, जो रोज के कामों, सीखने, लिखने, योजना बनाने और रचनात्मक कामों में मदद करते हैं। फोन में यूएफएस 3.1 स्टोरेज दी गई है, और रैम व स्टोरेज के विकल्प अलग–अलग बाजारों के हिसाब से अलग हो सकते हैं। एआई रैम बूस्ट खाली स्टोरेज को कुछ समय के लिए वर्चुअल रैम में बदल सकता है, जिससे मल्टीटास्किंग आसान होती है।

अपराधियों पर शिकंजा और फरियादियों को न्याय दिलाना होगी पहली प्राथमिकता – संदीप त्रिपाठी



अयोध्या।रेंज के एसपी सुल्तानपुर विनीत जायसवाल ने पुलिस विभाग में फेरबदल के तहत संदीप त्रिपाठी को धनपतगंज थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया है।थाने की कमान मिलने के बाद नवागत थानाध्यक्ष संदीप त्रिपाठी ने क्षेत्र में कानून–व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आमजन को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट की हैं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र को अपराधमुक्त बनाना,अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनका प्रमुख लक्ष्य रहेगा। थाने पर अपनी फरियाद लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना जाएगा।शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि न्याय की उम्मीद लेकर थाने पहुंचने वाला कोई भी फरियादी निराश होकर वापस न लौटे।महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी उन्होंने विशेष प्राथमिकता जताई।मिशन शक्ति अभियान के तहत समय–समय पर गांवों, कस्बों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए जाएंगे, जिससे महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन की जानकारी मिल सके। साथ ही असामाजिक तत्वों और महिला सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।बताया कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम, जनता के बीच विश्वास कायम करना और पीड़ितों को समय से न्याय दिलाना भी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जनसहयोग भी बेहद महत्वपूर्ण है।

शिवपाल सिंह यादव के स्वागत में उमड़ा समाजवादियों का हुजूम,अयोध्या में जगह-जगह हुआ भव्य अभिनंदन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव के रामनगरी अयोध्या आगमन पर समाजवादी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।उनके स्वागत के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से लेकर मऊ शिवाला तक दर्जनों स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगह–जगह उमड़े कार्यकर्ताओं के हुजूम ने फूल–मालाओं,नारों और जोरदार अभिनंदन के साथ उनका स्वागत किया।पूरे मार्ग पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बना।सपा प्रवक्ता लवलेश पाण्डेय ने बताया कि शिवपाल सिंह यादव के अयोध्या जनपद की सीमा में प्रवेश करने से पहले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव, नगर पंचायत भदरसा के अध्यक्ष मोहम्मद राशिद एवं धर्मवीर वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 21 किलो की विशाल माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया।इसके बाद नगर पंचायत कुमारगंज में अध्यक्ष विकास सिंह छोटू के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने 51 किलो की विशाल माला पहनाकर उनका जोरदार अभिनंदन किया। कुमारगंज में ही अनुसूचित प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विद्याभूषण पासी ने भी अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया।सेवरा मोड़ पर मिल्कीपुर प्रधान संघ अध्यक्ष पिंटू यादव एवं प्रधान राम कुमार यादव लालू यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं के साथ स्वागत किया।मीठेगांव टोल प्लाजा पर गोसाईगंज विधानसभा के वरिष्ठ नेता रामसागर वर्मा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ स्वागत के लिए मौजूद रहे। बीकापुर विधानसभा की सीमा पर नौवां कुआं के पास पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने सैकड़ों समर्थकों के साथ शिवपाल सिंह यादव का अभिनंदन किया। इसके बाद माधव सर्वोदय इंटर कॉलेज अमौना के निकट समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप ने अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया।रानी बाजार में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हाजी फिरोज खान (गब्बर) ने सैकड़ों समर्थकों के साथ स्वागत किया, जबकि प्रभात नगर के पास हरिशंकर यादव छोटू के नेतृत्व में कार्य कर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया।स्वागत का यह सिलसिला मऊ शिवाला पहुंचने पर और भव्य हो गया। यहां पूर्व मंत्री तेज नारायण पवन पांडेय के नेतृत्व में हजारों समर्थकों ने शिवपाल सिंह यादव का फूल–मालाओं और नारों के साथ जोरदार स्वागत किया।नवीन मंडी ओवर ब्रिज रायबरेली बाईपास के पास मुकेश यादव प्रधान के नेतृत्व में स्वागत किया गया। दिशा कोचिंग के पास महिला सभा की जिला अध्यक्ष सरोज यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया।के टी पब्लिक स्कूल के पास अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष रामकरण यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया।इस दौरान शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें और जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है और अखिलेश यादव

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अयोध्या के 10 बच्चे चयनित

अयोध्या।राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जनपद अयोध्या के 10 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।इस संबंध मे जिला समन्वयक डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी ने बताया कि 3 नवंबर को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता के बाद 14 चयनित विद्यार्थियों ने प्री–स्टेट ऑनलाइन प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर 10 बच्चों का चयन हुआ।यह प्रतियोगिता 27 से 29 नवंबर तक शीएट पब्लिक



स्कूल, लमही, वाराणसी में आयोजित होगी।बताया कि जूनियर वर्ग में शिवानी पांडेय, गौरी पांडेय, अमृत और परिधि हसानी तथा सीनियर वर्ग में माज यासीन खान, अक्षिता सक्सेना, शुचि त्रिपाठी, जैस्मीन सिंह, सृष्टि गर्ग और सूर्यांश तिवारी चयनित हुए हैं। इनमें परिषदीय विद्यालयों के तीन विद्यार्थियों का चयन विशेष उपलब्धि है।इनके मार्गदर्शक शिक्षकों मे ऋचा उपाध्याय, प्रवीण कुमार मिश्र और डॉ. दिनेश चन्द्र शुक्ल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के बाद प्रदेश के 21 विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए होगा।इस उपलब्धि पर डीआईओएस डॉ. पवन कुमार तिवारी, बीएसए लाल चन्द्र और जिला अकादमिक समन्वयक डॉ. अंजलि खरे ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

गुलाबबाड़ी में प्रगतिशील त्रैमासिक पत्रिका 'प्रगतिशील संवाद'का हुआ लोकार्पण



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।प्रयागराज के रूद्रादित्य प्रकाशन से प्रकाशित होने वाली साहित्य, कला और संस्कृति की प्रगतिशील त्रैमासिक पत्रिका 'प्रगतिशील संवाद' के नवीन अंक का विमोचन स्थानीय गुलाबबाड़ी उद्यान में किया गया। प्रख्यात आलोचक रघुवंशमणि के संपादन में निकल रही इस पत्रिका के लोकार्पण अवसर पर शहर के कई साहित्यकार और सुधी पाठक उपस्थित रहे।पत्रिका के इस अंक में रचनात्मक और वैचारिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध सामग्री संकलित की गई है। इसमें फैजाबाद (अयोध्या) के वरिष्ठ साहित्यकार स्वप्निल श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण कहानी तथा युवा कवि एवं प्राध्यापक डॉ. विशाल श्रीवास्तव की कविताओं को प्रमुखता से स्थान मिला है। इसके अतिरिक्त, पत्रिका में वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना का एक लंबा और विचारोत्तेजक साक्षात्कार भी प्रकाशित किया गया है।अंक के विशेष आकर्षण 'शताब्दी स्मरण' स्तंभ के अंतर्गत हिंदी साहित्य के पुरोधा डॉ. नामवर सिंह और प्रख्यात लेखिका महाश्वेता देवी के अवदान को याद किया गया है। साथ ही, हाल ही में दिवंगत हुए वरिष्ठ आलोचक वीरेंद्र यादव, संपादक ज्ञानरंजन, कवि ऋतुराज और आलोचक राजेंद्र कुमार को भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।विमोचन कार्यक्रम में सत्यभान सिंह जनवादी, बृजेश मौर्य,डॉ नीरज सिंह, विजय श्रीवास्तव, बंटी जी, अज्जू, हरिओम सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय साहित्य प्रेमी व बुद्धिजीवी मौजूद रहे। उपस्थित साहित्यकारों ने पत्रिका के प्रकाशन को समकालीन प्रगतिशील साहित्यिक परिदृश्य के लिए एक सार्थक हस्तक्षेप बताया।

महानगर से मंडल और विधानसभा स्तर तक गठित की गई सोशल मीडिया टीम, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने जारी की सूची



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।भारतीय जनता पार्टी अयोध्या महानगर ने सोशल मीडिया पर संगठन की गतिविधियों, विचारों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जन–जन तक पहुंचाने के लिए टीम का गठन किया है। महानगर से लेकर मंडल और विधानसभा स्तर तक कुल 31 कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी सौंपी गई है।सूची महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और महानगर संयोजक सोशल मीडिया दिनेश कुमार कन्नौजिया के हस्ताक्षर से जारी की गई है।गठित टीम में जिला स्तर पर एक संयोजक और तीन सह संयोजक सहित कुल 14 कार्यकर्ता शामिल हैं।जिला संयोजक की जिम्मेदारी दिनेश कन्नौजिया को दी गई है।वही चंदन कसेरा, ज्ञानेन्द्र तिवारी और अभिनव श्रीवास्तव जिला सह संयोजक बनाए गए हैं।इनके अतिरिक्त अवधेश पाण्डेय, राहुल सिंह, राहुल कुमार, आकाश रंजन, आशीष मिश्रा, प्रवीण सिंह, आदित्य गुप्ता, पीयूष पाण्डेय, आर्यन सोनकर और वैभव सिंह को सदस्य बनाया गया है।जबकि जिला संयोजक दिनेश कन्नौजिया और सह संयोजक चंदन कसेरा की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी।मंडल स्तर पर चार मंडलों में तीन–तीन कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है।करियप्पा मंडल का संयोजक शिवा सोनी को बनाया गया है।संतोष यादव और अभिषेक तिवारी सह संयोजक होंगे।देवकाली मंडल में ओजस श्रीवास्तव संयोजक तथा रौनक और पुष्कर सह संयोजक बनाए गए हैं। अयोध्या मंडल में पवन पाण्डेय को संयोजक, शौर्यवर्धन प्रताप सिंह और गौरव को सह संयोजक की जिम्मेदारी मिली है।पूरा मंडल में ज्ञानेन्द्र प्रजापति संयोजक तथा निशांत साहू और हिमांशु कन्नौजिया सह संयोजक बनाए गए हैं।विधानसभा स्तर पर भी पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है। इसमें रसिक बिहारी पाण्डेय को विधानसभा संयोजक, आशीष सोनी को सह संयोजक तथा उज्ज्वल दीपांकर, शुभम कुमार और ईशांत कमौधान को सदस्य बनाया गया है।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में सोशल मीडिया संगठन की विचारधारा,नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है।नवगठित टीम के कार्यकर्ता आपसी समन्वय और सक्रियता के साथ संगठन की गतिविधियों को डिजिटल मंचों पर प्रभावी ढंग से

जिले मे चौकी प्रभारियों के तबादले के अगले ही दिन एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने 186 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

अयोध्या।आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस महकमे में प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला तेज हो गया है।एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने चौकी प्रभारियों के स्थानांतरण के अगले ही दिन जिले में एक और बड़ा बदलाव करते हुए कोतवाली नगर, महिला थाना समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में तैनात 186 उप निरीक्षकों एवं महिला उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। लगातार दूसरे दिन हुई इस बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पुलिसिंग व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि इस फेरबदल में बड़ी संख्या में उप निरीक्षकों के साथ महिला उप निरीक्षकों की भी नई तैनाती की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले डीआईजी रेंज सोमेन वर्मा ने भी अयोध्या परिक्षेत्र के पांच जनपदों अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, बाराबंकी और अमेठी में तैनात निरीक्षकों को एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरित किया था। अब जिले स्तर पर एसएसपी द्वारा लगातार किए जा रहे तबादलों से पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है।माना जा रहा है कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन अभी से अपनी व्यवस्थाओं को मजबूत करने में जुट गया है।



इस समय सुबह की ठंड और ठंडा पानी पड़ सकता है भारी – डॉ. शशिकांत शुक्ला



(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।ठंड का मौसम शुरू होते ही दिल के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन डिपार्टमेंट के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. शशिकांत शुक्ला ने बताया कि सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।इसलिए इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। सुबह के समय ही क्यों बढ़ जाते हैं मामले। इस संबंध में डॉ. शुक्ला ने बताया कि ठंड में हमारी रक्त वाहिनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाता है और दिल पर दबाव पड़ने लगता है। सुबह के समय शरीर का तापमान सबसे कम होता है और खून भी थोड़ा गाढ़ा रहता है, जिससे थक्का बनने की संभावना बढ़ जाती है। रजाई से निकलकर सीधे ठंड में जाने से शरीर को झटका लगता है। यही कारण है कि सुबह 4 बजे से 10 बजे के बीच हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा सामने आते हैं।इसलिए दिल के मरीज सुबह जल्दी उठकर ठंड में टहलने या दौड़ने से बचें। किन लोगों को रहना होगा ज्यादा सतर्क ? 40 साल से अधिक उम्र के लोग, हाई बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल के मरीज, धूम्रपान करने वाले और पहले से हृदय रोग से पीड़ित लोगों को ठंड में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डॉ. शुक्ला ने बताया कि ठंड में लोग तला–भुना, घी, तेल, मक्खन और मिठाई ज्यादा खाने लगते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की धमनियों में रुकावट की आशंका बढ़ जाती है।वहीं ठंड के कारण टहलना, व्यायाम और योग छूट जाता है, जिससे वजन बढ़ता है और शुगर–बीपी अनियंत्रित हो जाता है। सर्दियों में क्या करें, क्या न करें ? क्या करें –धूप निकलने के बाद ही टहलने जाएं। शरीर को पूरी तरह गर्म कपड़ों से ढककर रखें, विशेषकर सिर, कान और छाती को ठंड से बचाएं। गुनगुने पानी से नहाएं। संतुलित भोजन करें, हरी सब्जियां, फल, सलाद ज्यादा लें और पानी पर्याप्त पिएं। समय पर दवा लें और बीपी–शुगर की नियमित जांच कराएं। क्या न करें सुबह उठते ही एकदम ठंडे पानी से नहाने से बचें।ठंड में अचानक भारी काम, दौड़ना या वजन उठाना दिल के लिए खतरनाक हो सकता है। डॉक्टर की सलाह के बिना दवा बंद न करें। धूम्रपान और शराब से पूरी तरह दूर रहें। सीने में दर्द, भारीपन, सांस फूलना, बाएं हाथ या जबड़े में दर्द, पसीना आना और चक्कर आना हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।इन्हें गैस या थकान समझकर नजरअंदाज करना सबसे बड़ी गलती है। ऐसे लक्षण दिखते ही मरीज को आराम की अवस्था में लिटाएं, भीड़ न लगाएं और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचें। घर पर देसी इलाज या इंतजार में समय बर्बाद न करें, क्योंकि हार्ट अटैक में हर मिनट कीमती होता है। डॉ. शुक्ला की अपील थोड़ी सी सावधानी से सर्दियों में दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है। संतुलित भोजन, नियमित जांच और ठंड से बचाव ही दिल की सबसे बड़ी सुरक्षा है।

2027 में अयोध्या से पवन पांडेय की होगी जीत,यूपी में बनेगी सपा सरकार - शिवपाल सिंह यादव



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मंगलवार को अयोध्या पहुंचे।यहां आयोजित दंगल कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में भाजपा पर जमकर निशाना साधा।कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने का दावा किया।उन्होंने कहा कि भगवान राम ने उन्हें अयोध्या बुलाया है।भगवान राम के प्रति उनकी पूरी आस्था है और सभी के हृदय में भगवान राम विराजमान हैं।शिवपाल यादव ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या से सपा प्रत्याशी पवन पांडेय की जीत होगी और प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या आगमन पर उन्होंने कहा कि वह भी भगवान राम का दर्शन करेंगे।कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे पर कहा कि अभी बातचीत चल रही है, अंतिम निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। वहीं, चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के गठबंधन को लेकर कहा कि इसका सपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा।भाजपा पर हमला बोलते हुए शिवपाल ने कहा कि भाजपा झूठ बोलकर देश को पीछे ले जा रही है। उसकी नीतियां और विदेश नीति ठीक नहीं हैं। भाजपा समाज को बांटने और लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रही है। अयोध्या में जमीन घोटाले, नजूल भूमि और सरयू नदी के स्वरूप से जुड़े सवालों पर उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर इन सभी मामलों की जांच कराई जाएगी। भगवान राम के नाम पर चंदा चोरी को उन्होंने बड़ा अपराध बताया।उन्होंने किसानों और व्यापारियों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि किसान खाद और धान खरीद के लिए परेशान होकर भटक रहा है।समाज का हर वर्ग भाजपा सरकार से त्रस्त है। भाजपा नेताओं के मंदिर जाने और राम नाम लेने पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि पहले भाजपा राम नाम लेती थी, अब राधेश्याम नाम ले लेगी।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी धर्मों और भगवानों में आस्था रखती है तथा देश का संविधान धर्मनिरपेक्ष है।

अयोध्या में 5 और अंबेडकरनगर में 3 निरीक्षक भेजे गए

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा ने सुल्तानपुर जिले में तैनात 27 निरीक्षकों का दूसरे जिलों में तबादला कर दिया है। रविवार दोपहर करीब दो बजे जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार, इन सभी निरीक्षकों को बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या और अंबेडकरनगर में नई तैनाती दी गई है। आदेश में सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त होकर नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी सूची के मुताबिक सबसे अधिक 11 निरीक्षकों को बाराबंकी भेजा गया है। इनमें उमेश देव पाण्डेय, ज्ञानचन्द्र शुक्ला, सत्येन्द्र कुमार सिंह, सीमा सरोज, दीपक कुशवाहा, अनिरुद्ध कुमार सिंह, अश्वनी कुमार सिंह, अवनेश कुमार, प्रेमचन्द्र सिंह, धर्मवीर सिंह और हंसमती शामिल हैं। वहीं अमेठी जिले में आठ निरीक्षकों की तैनाती की गई है। इनमें विजय सिंह, संजय कुमार वर्मा, महेन्द्र प्रताप, चन्द्रभान वर्मा, प्रवीण कुमार यादव, सुरेश कुमार, राम आशीष उपाध्याय और अखण्डदेव मिश्रा के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में अयोध्या जिले में पांच निरीक्षकों को भेजा गया है। इनमें गिरीश चन्द्र अग्निहोत्री, नारद मुनि सिंह, जय प्रकाश सिंह, श्याम सुन्दर और सूबेदार शामिल हैं। जबकि अंबेडकरनगर जिले में अशोक कुमार सिंह, राघवेन्द्र प्रताप रावत और अरुण कुमार द्विवेदी समेत तीन निरीक्षकों का तबादला किया गया है। खास बात यह है कि स्थानांतरण सूची में शामिल कई निरीक्षकों का बीते दिनों पुलिस अधीक्षक स्तर से भी तबादला किया गया था। अब डीआईजी स्तर से जारी नए आदेश के बाद उन्हें दूसरे जिलों में तैनाती दी।

टिनशेड के नीचे फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, पति हिरासत में

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के बीड़ी गांव में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब 30 वर्षीय विवाहिता का शव टिनशेड के नीचे फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, बड़गांव सुरौली निवासी अंतिमा की शादी करीब आठ वर्ष पहले सुरजीत के साथ हुई थी। उनके दो बेटे निखिल (7) और नितिन (4) हैं। मृतका का मायका गोसाईंगंज क्षेत्र के वृजवारी महमदपुर में है। परिजनों के मुताबिक, पिछले करीब एक सप्ताह से पति–पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते अंतिमा शनिवार शाम अपने दोनों बच्चों के साथ बीड़ी गांव स्थित अपनी मौसी शोभावती के घर पहुंची थीं। आरोप है कि शनिवार रात करीब सात बजे उनके पति सुरजीत भी वहां पहुंचे, जहां दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद सुरजीत वापस लौट गए। रविवार सुबह अंतिमा घर में दिखाई नहीं दीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गया प्रसाद के टिनशेड के नीचे बल्ली से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे उनका शव लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर उपनिरीक्षक अनिल कुमार सक्सेना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मौके पर पहुंचे पति सुरजीत को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। सुल्तानपुर से 27 निरीक्षकों का तबादला, चार जिलों में मिली नई तैनाती डीआईजी सोमेन बर्मा ने जारी किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।